vkj- ,u- vkb/- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k % 12 vad % 48 y[kuÅ] lkeokj 28 ekp 2022 l 06 vily] 2022 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में पशु, पक्षियों के लिए पानी सुनिश्चित करने के प्रयास का जिक्र किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो के माध्यम से प्रसारित होने वाले मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में करीब एक लाख मिट्टी के बर्तन बांटकर पशु–पक्षियों के लिए पानी सुनिश्चित करने के केरल के एक व्यक्ति के प्रयासों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री केरल के एर्नाकुलम जिले में अलुवा के पास मुपट्टम के श्रीमन नारायणन के बारे में बात कर रहे थे, जो अपने 'जीवा जलथिनु ओरु मनपथरम' (पानी के लिए मिट्टी के बर्तन) अभियान के तहत मुफ्त में बर्तन वितरित करते हैं ताकि पशु–पक्षी प्यासे ना रह जाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज जब गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है, तो नारायणन जी का यह काम हम सब को जरूर प्रेरित करेगा और हम भी इस गर्मी में हमारे पशु–पक्षी मित्रों के लिए पानी की व्यवस्था करेंगे।" नारायणन ने एक समाचार चौनल से कहा कि उन्हें यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि प्रधानमंत्री ने केरलवासियों के बारे में बात की, इससे वह प्रयास जारी रखने के लिए और प्रोत्साहित होंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने नारायणन के घर जाकर उनके कार्यों की प्रशंसा की।

अब गोरखपुर से वाराणसी जाना होगा और आसान, CM योगी ने नई उड़ान सेवा का किया शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअली गोरखपुर से वाराणसी के लिए नई उड़ान के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा कि, प्रदेश में विगत ५ वर्षों में एयर कनेक्टिविटी में काफी परिवर्तन हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि, मैं आज विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आज उत्तर प्रदेश से प्रदेश और देश के अंदर ६ गंतव्यों की ये वायु सेवा का प्रारंभ होना विकास की कहानी को एक नई उच्चाई प्रदान करेगा। मैं इसके लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया और नागरिक उड्डयन मंत्रालय को धन्यवाद देता हूं। जानकारी के लिए बता दें कि यूपी में वर्तमान में ६ हवाई अड्डे काम कर रहे हैं। चार साल पहले राज्य में केवल ४ हवाई

अड्डे केवल २५ गंतव्यों से जुड़े थे लेकिन अब यह देश भर के ७५ गंतव्यों के लिए राज्य से उड़ानें उपलब्ध हैं।सीएम योगी ने आगे कहा कि, बाबा गोरखनाथ की धरती गोरखपुर से बाबा विश्वनाथ की धरती वाराणसी के लिए नई उड़ान आरंभ हुई है।

30 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा, दो साल बाद भोलेनाथ के भक्तों को मिली सौगात

नई दिल्ली। भोलेनाथ के भक्तों के लिए बड़ी अच्छी खबर है। दो साल बाद अमरनाथ यात्रा इस साल ३० जून से कोविड –१६ प्रोटोक ल के सख्त पालन के साथ शुरू की जा रही है। जम्मू–कश्मीर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि, इस साल दक्षिण कश्मीर में ३,८८० मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिमालयी गुफा मंदिर की यात्रा ४३ दिन लंबी होगी और परंपरा के अनुसार यह रक्षा बंधन के दिन संपन्न होगी।सिन्हा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, आज

श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की। ४३ दिवसीय पवित्र तीर्थयात्रा ३० जून को सभी कोविड प्रोटोक ल के साथ शुरू होगी और परंपरा के अनुसार रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी। हमने आगामी यात्रा पर भी विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की है।" आपको बता दें कि, अगस्त में अनुच्छेद ३७० को निरस्त करने से पहले २०१६ में अमरनाथ यात्रा को बीच में ही रद्द कर दिया गया था। पिछले दो वर्षों से कोरोना वायरस महामारी के कारण अमरनाथ यात्रा का आयोजन वर्चुअल ही किया जा रहा है।

सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का हुआ सफलतापूर्वक परीक्षण

भारतीय सेना ने २७ मार्च को ओडिशा के बालासोर के तट पर मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली का परीक्षण सफलतापूर्वक कर लिया है।इसकी जानकारी रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (क्त्क्व) ने दी ट्वीट के जरिए दी है। डीआरडीओ ने रविवार को एक ट्वीट में कहा कि, एमआरएसएएम–सेना मिसाइल प्रणाली की उड़ान

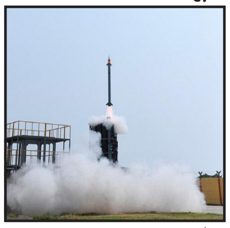

का परीक्षण आईटीआर बालासोर, ओडिशा से लगभग १०रू३० बजे लंबी दूरी पर एक उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य को बाधित करते हुए किया गया। डीआरडीओ के अनुसार, लक्ष्य को मिसाइल द्वारा नष्ट कर दिया गया। डीआरडीओ के अधिकारियों ने कहा कि, यह प्रणाली भारतीय सेना का हिस्सा है। परीक्षण में मिसाइल ने बहुत दूर से लक्ष्य पर सीधा प्रहार किया।

पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार तेजी, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर कसा तंज

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को पिछले छह दिन में पांचवीं बार ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बाद सरकार पर हमला किया और मांग की कि वह पेट्रोल और डीजल पर आठ वर्षों में उत्पाद शुल्क के माध्यम से जुटाए गए २६ लाख करोड़ रुपये का हिसाब दे। रविवार को पेट्रोल की कीमत में ५० पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में ५५ पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, जिससे एक हफ्ते से भी कम समय पहले दैनिक मूल्य संशोधन फिर से शुरू होने के बाद से दरों में कुल वृद्धि ३.७०–३.७५ रुपये प्रति लीटर हो गई। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, "पूरी ताकत से ही बताएंगे। आठ साल में डीजल, पेट्रोल पर टैक्स लूट से २६,००,००० करोड़ रुपये मुनाफा कमाया। चुनाव में चूना लगाने के लिए १३७ दिन चुप, फिर ६ दिन में ही पेट्रोल, डीजल पर ३.७५ रुपये प्रति लीटर की लूट?" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पुराना वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें विपक्ष द्वारा पेट्रोल की कीमतों में कमी के लिए उनके नसीब को श्रेय देने की बात कही गई थी। वीडियो टैग करते हुए सुरजेवाला ने पूछा, "अब किसकी 'बदनसीबी' और 'बदनीयती' से जनता बेतहाशा महंगाई झेलने को मजबूर है?" संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी को धन्यवाद, जिन्होंने कहा था कि चुनाव के बाद ईंधन की कीमतें बढ़ाई जाएंगी, सरकार ने बढ़ोतरी के लिए कुछ दिनों तक इंतजार किया। खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस अकेली पार्टी है, जो इसे सिर्फ चुनाव जीतने से ज्यादा सार्वजनिक मुद्दे के तौर पर उठा रही है। खेड़ा ने कहा, "पेट्रोलियम और डीजल पर उत्पाद शुल्क के जरिए अर्जित २६ लाख करोड़ रुपये का हिसाब कहां है। देश को यह जानने का अधिकार है।" सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत ६८.६१ रुपये प्रति लीटर से बढ़कर अब ६६.११ रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत ८६.८७ रुपये प्रति लीटर से बढ़कर ६०.४२ रुपये प्रति लीटर हो गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में देश भर में वृद्धि की गई है, लेकिन इनके दाम स्थानीय कर के आधार पर अलग–अलग राज्यों में भिन्न हैं।

यूपी के सभी मदरसों में क्लास शुरू होने से पहले राष्ट्रगान गाना अनिवार्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सभी मदरसों में नए सत्र से राष्ट्रगान बजने के बाद कक्षाएं शुरू होंगी। यूपी बोर्ड अ फ मदरसा एजुकेशन की बैठक में यह फैसला लिया गया है। नए सत्र में छात्रों के अ नलाइन पंजीकरण की सुविधा के साथ ही शिक्षकों की उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम भी लगाया जाएगा। बोर्ड छह विषयों की परीक्षा भी आयोजित करेगा जो १४ मई से २७ मई के बीच होगी। पिछले साल अक्टूबर में हुई बैठक में तय किया गया था कि छात्रों के लिए अगले शैक्षणिक सत्र से हिंदी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान जैसे विषयों को अनिवार्य कर दिया जाएगा।इन विषयों को जोड़ने से छह परीक्षा पत्रों की आवश्यकता होगी। अब तक, ये विषय वैकल्पिक थे और एनसीईआरटी की किताबों का इस्तेमाल करके पढ़ाए जाते थे। नए सत्र में शिक्षकों की उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक तकनीक की शुरुआत के साथ–साथ छात्रों को अ नलाइन पंजीकरण करने की सुविधा भी देखने को मिलेगी।बता दें कि, बोर्ड ने २०१७ में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान के गायन और राष्ट्रीय ध्वज को फहराने को अनिवार्य करने के लगभग पांच साल बाद यह निर्णय लिया है।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था पर नई मार

कोरोना महामारी से उबर रही भारतीय अर्थव्यवस्था पर नई मार पड़ी है। एक बार फिर महंगाई ने झटका दिया है। उसका असर हर आम रसोईघर पर दिख रहा है। ये मीडिया रिपोर्टें परेशान करने वाली हैं कि देश में लोगों ने बाहर के खाने, ईंधन और यहां तक कि सब्जियों में भी कटौती करनी शुरू कर दी है। कारण महंगाई के कारण घर का खर्च बढ़ जाना है। इन रिपोर्टों से यह सामने आया है कि भारत में कंपनियां अपनी बढ़ती लागत को आम उपभोक्तों से वसूल रही हैं। अब हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में पांच महीनों के बाद फिर वृद्धि होने लगी है। जबकि पहले से ही खाने के तेल के दाम भी आसमान छू रहे हैं। अब यह भी सामने आया है कि बीते अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि की रफ्तार उतनी तेज नहीं रही, जितनी कि उम्मीद की जा रही थी। अब अर्थशास्त्रियों ने आशंका जाहिर की है कि तेल की बढ़ी हुई कीमतों का असर मौजूदा रफ्तार पर पड़ेगा, क्योंकि इसके कारण महंगाई बढ़ रही है। दूध कंपनियां मदर डेयरी और अमूल भी दाम बढ़ा चुकी हैं। आम लोगों के लिए घर का बजट संभालना बहुत मुश्किल हो गया है। ऐसे में खरीदारी घटाने की मजबूरी सामने आ गई है। भारत के कुल घरेलू उत्पाद में व्यक्तिगत उपभोग का हिस्सा लगभग ६० प्रतिशत है। २४ फरवरी को यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद भारतीय कंपनियों ने दूध, नूडल, चिकन और अन्य सामोनों के दाम पांच से २० प्रतिशत तक बढ़ाए हैं। नतीजतन, २०२२ लगातार तीसरा साल ऐसा हो सकता है, जब परिवारों का बजट तंग होगा। गौरतलब है कि भारत में पाम अ यल सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला खाने का तेल है। इस साल उसकी कीमतें ४५ प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। सूरजमुखी के तेल की सप्लाई प्रभावित होने से भी बाजार पर असर पड़ा है। थोक व्यापारियों का कहना है कि पिछले एक महीने में दाम बढ़ने के साथ–साथ खाने के तेलों की बिक्री में लगभग एक चौथाई की कमी आ चुकी है। गौरतलब है कि फरवरी में लगातार दूसरे महीने मुद्रास्फीति ६ प्रतिशत से ऊपर रही, जबकि थोक मुद्रास्फीति १३ प्रतिशत से ज्यादा है। इस महीने भी आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की कोई किरण नजर नहीं आई है।

सुशासन की स्थापना को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाएं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार के लगातार दूसरी बार पदारूढ़ होने के दूसरे दिन शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के शीर्ष अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की और राज्य में सुशासन की स्थापना को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने नवगठित मंत्रिमंडल के ५२ सदस्यों के साथ शुक्रवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में लगातार दूसरी बार शपथ ली थी और आज यहां योजना भवन में मुख्य सचिव, अध्यक्ष राजस्व परिषद, कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों तथा सचिवों के साथ बैठक कर उन्हें अपनी दूसरी पारी के शासन को और बेहतर बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। मुख्यमंत्री ने विभागों में रिक्त पदों की भर्ती की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश भी दिये। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप नये भारत का नया उत्तर प्रदेश आकार ले रहा है और इस कार्य को और गति दी जाए। उन्होंने कहा, पहले कार्यकाल में हमारी चुनौती कुव्यवस्था से थी, लेकिन पिछले पांच वर्षों में सुशासन की स्थापना हुई है और अगले पांच वर्षों में हमारी प्रतिस्पर्धा पहले कार्यकाल के कार्यों से होगी। उन्होंने कहा, अब सुशासन को और सुदृढ़ करने के लिए स्वयं से हमारी प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ होगी और सुशासन की स्थापना को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाना होगा। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा द्वारा जारी लोक कल्याण संकल्प पत्र (चुनावी घोषणा पत्र) की चर्चा करते हुए योगी ने कहा

कि 'लोक कल्याण संकल्प पत्र–२०२२' के सभी संकल्प बिन्दुओं को पांच वर्षों में लक्ष्यवार एवं समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए और प्रत्येक विभाग १०० दिन, छह माह तथा वार्षिक लक्ष्य का निर्धारण करते हुए उसकी पूर्ति के लिए लगातार प्रयास करे। भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' के अपने पुराने नारे पर जोर देते हुए योगी ने कहा कि इसे प्रभावी ढंग से जारी रखा जाए और शासन की योजनाओं की आमजन तक पहुंच को और व्यापक बनाने के लिए तकनीक का व्यापक स्तर पर समावेश किया जाए। अधिकारियों–कर्मचारियों को समय से दफ्तर पहुंचने, कार्यों के त्वरित निस्तारण, पूरी तरह ई–आफिस को लागू करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने ग्राम सचिवालय की कार्यप्रणाली को और सुदृढ़ किये जाने तथा पंचायत सहायकों के तैनाती कार्य को पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व, पंचायती राज और ग्राम्य विकास के ग्राम स्तरीय कर्मियों द्वारा ग्राम प्रधान के समन्वय से ग्राम चौपाल आयोजित की जाए और इसके माध्यम से ग्रामीण जनता की स्थानीय समस्याओं का समाधान कराया जाए। भारत सरकार से आने वाले पत्रों का उत्त्तर एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से देने और जिलों में नोडल अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित समीक्षा करने की हिदायत के साथ उन्होंने कहा कि प्रवास के दौरान अधिकारी जनता से संवाद कायम करें और मिले फीडबैक के आधार पर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन यूएस डॉलर बनाने के लिए १० प्राथमिक सेक्टरों को चिह्नि किया जाए और उसकी नियमित समीक्षा की जाए। मुख्य सचिव द्वारा साप्ताहिक समीक्षा तथा स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा इस सम्बन्ध में पाक्षिक समीक्षा की जाएगी।

योगी मंत्रीमंडल में जगह ना मिलने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कही ये बात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान उप मुख्यमंत्री रहे दिनेश शर्मा को इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है जबकि दूसरे और उप मुख्यमंत्री और बीजेपी का उत्तर प्रदेश में ओबीसी चेहरा माने जाने वाले केशव प्रसाद मौर्य की कुर्सी बरकरार है। योगी २ सरकार २.० में दिनेश शर्मा की जगह दूसरा ब्राह्मण चेहरे बृजेश पाठक को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। दिनेश शर्मा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री ड . दिनेश शर्मा ने कहा वर्ष २०२४ लोकसभा चुनाव को देखते हुए वह (ठश्रच) को पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पूरे समर्पण से काम करेंगे। दिनेश शर्मा ने शपथ लेने वाले मंत्रियों को बधाई देते हुए यह उम्मीद जताई कि उत्तर प्रदेश में पीएम मोदी और योगी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार सूबे के लोगों के कल्याण के लिए काम जारी रखेगी। दिनेश शर्मा ने सूबे में अगला बीजेपी अध्यक्ष बनाए जाने की अटकलों को भी खारिज कर दिया। बता दें कि उत्तर प्रदेश में भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद अब यह पद रिक्त हो गया है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, जल्द ही नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान होने की संभावना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें दिनेश

शर्मा इस वक्त यूपी विधान परिषद के सदस्य हैं। शुक्रवार को लगातार दूसरी बार योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सीएम के रूप में शपथ ली। इसके अलावा दो उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बृजेश पाठक को शपथ दिलाई गई। योगी आदित्यनाथ की शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी समेत बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत कई बड़े नेता शामिल हुए।

बृजेश पाठक ने अपनी सरकार के अधिकारियों की लापरवाही से नाराज होकर आलाकमान को लिख दी थी चिट्ठी, जनता से करते हैं सीधा संपर्क

लखनऊ। योगी २.० सरकार में बृजेश पाठक को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र संघ के अध्यक्ष रह चुके बृजेश पाठक को जमीन से जुड़ा हुआ नेता माना जाता है। बृजेश पाठक के बारे में यह बात कही जाती है कि आवाम से जुड़े हितों के लिए वह प्रशासनिक अधिकारियों को भी निशाने पर ले लेते हैं। बृजेश पाठक योगी आदित्यनाथ सरकार के पिछले कार्यकाल में कानून मंत्री थे। इसी दौरान देशभर के साथ–साथ उत्तर प्रदेश में भी कोविड महामारी विकराल हो गई थी। बतौर कानून मंत्री बृजेश पाठक ने इस दौर में लापरवाही करने वाले अधिकारियों को निशाने पर लिया था, इतना ही नहीं उन्होंने इस लापरवाही के लिए आलाकमान को चिट्ठी तक लिख दी थी। अब बृजेश पाठक उप मुख्यमंत्री का पद संभाल रहे हैं। बृजेश पाठक का जमीनी जुड़ाव न सिर्फ पार्टी को मजबूत करने का काम करेगा बल्कि पार्टी की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। आपको बता दें उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की एक चिट्ठी कोविड के दौर में वायरल हुई थी। इस चिट्ठी में उन्होंने मरीजों के इलाज में बरती

जा रही लापरवाही के लिए प्रशासन पर नाराजगी जताई थी। बृजेश पाठक कानून मंत्री रहते हुए अधिकारियों को भी निशाने पर लेते थे जिसके चलते यह कहा जाने लगा था कि एक मंत्री इतना खुलकर कैसे लिख सकता है। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े हनुमान त्रिपाठी कहते हैं कि बृजेश पाठक जनता के दर्द को समझते थे। यही कारण था कि कोरोना महामारी के उस भयानक दौर में अधिकारियों की लापरवाही के चलते उन्होंने अधिकारियों को निशाने पर लिया था। नतीजा यह हुआ कि उनकी इस चिट्ठी से सिस्टम नींद से जागा और बृजेश पाठक को जनता ने सिर आंखों पर बिठा लिया। अवध बार एसोसिएशन के सदस्य योगेश त्रिपाठी कहते हैं कि यही कारण हैं कि बृजेश पाठक सीधे तौर पर जनता से जुड़े रहते हैं। सिर्फ लखनऊ ही नहीं बल्कि पूरे सूबे कि लोग उनसे सीधे तौर पर संपर्क कर सकते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जाता है। बीजेपी आलाकमान को भी यह बात पता है कि बृजेश पाठक जमीन से जुड़े हुए नेता हैं और यही वजह है कि उनको इस बार उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

बिजली विभाग के छह अधिशासी अभियंता होंगे निलंबित

लखनऊ। भ्रष्टाचार के खिलाफ योगी सरकार जोरो टालरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपनी दूसरी पारी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बहुत सख्त नजर आ रहे हैं। योगी सरकार ने लखनऊ के छह ऐसे अधिशासी अभियंताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का फैसला किया है, जिन्होंने बिजली कनेक्शन देने में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की है। इस कार्रवाई में कई जेई और सहायक अभियंता भी जद में आएंगे। मकान बनवाने के लिए पहले अस्थायी कनेक्शन महीनों व सालों तक चलाना और फिर उसे मिलीभगत करके खत्म कर देना। इस खेल में कई अधिशासी अभियंताओं की भूमिका संदिग्ध पायी गई है। ऐसे अधिशासी अभियंताओं को चिन्हित करके कार्रवाई की तैयारी है। यह कार्रवाई अप्रैल माह में की जा सकती है। इनमें कुछ अधिशासी अभियंता से पदोन्नति पाकर अधीक्षण अभियंता भी हो गए हैं। राजधानी के सभी २६ खंडों में अस्थायी कनेक्शन से स्थायी कनेक्शन को लेकर खूब खेल हुआ। इनमें से कुछ को बर्खास्त तक किया जा सकता है। इसकी जांच रिपोर्ट चंद सप्ताह पहले ही शक्ति भवन को तीन सदस्यीय टीम द्वारा सौंपी जा चुकी है। पावर कारपोरेशन के चेयरमैन द्वारा यह कार्रवाई की जा सकती है।

जांच टीम ने पाया कि अस्थायी कनेक्शन का जो राजस्व जमा होना चाहिए था वह जमा नहीं किया गया और उपभोक्ता से मिलीभगत करके स्थायी कनेक्शन दे दिया गया। इससे करोड़ों रुपये का राजस्व नुकसान बिजली महकमे को हुआ। वहीं उपभोक्ता व अभियंता ने बिजली विभाग को आर्थिक चोट पहुंचायी है। यह खेल सबसे अधिक वृंदावन खंड, बीकेटी, चौक, चिनहट के साथ दो अन्य खंडों में हुआ। यहां तैनात रहे अधिशासी अभियंता की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों की माने तो इन पर कार्रवाई के लिए शक्ति भवन से मसौदा तैयार कर लिया गया है। इनमें जेई व सहायक अभियंता की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है।अधिशासी अभियंताओं के वेतन, फंड से इसकी रिकवरी करने की तैयारी है। उदाहरण के तौर पर अभियंताओं ने उपभोक्ता के लाखों रुपये के अस्थायी कनेक्शन के बिल को चंद लाख में करके स्थायी कर दिया और नया कनेक्शन विद्युत सुरक्षा निदेशालय की एनओसी देकर जारी कर दिया। यह खेल खूब कई खंडों में हुआ। जांच टीम ने पाया कि एक एक साल में दर्जनों अस्थायी से स्थायी कनेक्शन का खेल किया गया। इस खेल में अवर अभियंता से लेकर सहायक अभियंता व अधिशासी अभियंता की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बेटे का हुआ एक्सीडेंट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बेटे का शनिवार को एक्सीडेंट हो गया। रिपोर्ट्स की मानें तो योगेश की फ र्च्यूनर ट्रैक्टर से टकरा गई थी। हालांकि, योगेश और उनके लोगों को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जालौन जिले में योगेश मौर्य की फ र्च्यूनर कार कथित तौर पर एक ट्रैक्टर से टकरा गई। सिराथू विधानसभा क्षेत्र से मतपत्र बहाए जाने के बावजूद, भाजपा ने उन्हें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में बरकरार रखा है। पार्टी आलाकमान ने साफ संदेश दिया है कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए पिछड़े वर्ग के नेता मौर्य मोर्चे से हटते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर स्पष्ट संकेत दिया है कि वे मौर्य को हिंदी पट्टी में पिछड़ों की आवाज के रूप में देखते हैं।

नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी

लखनऊ। एसटीएफ ने नौकरी दिलाने के नाम पर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोपित दुर्गा शरण मिश्र को उसके साथी के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित भारतीय खाद्य निगम, रेलवे व स्वास्थ्य समेत सरकारी विभागों मे फर्जी भर्ती करवाता था। इसके लिए लोगों को अलग अलग स्थानों पर अभ्यर्थियों की फर्जी ट्रेनिंग कराकर उन्हें कूटरचित ज्वाइनिंग लेटर भी सौंप देता था।आरोपित के खिलाफ कई जिलों में मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अमित कुमार नागर के मुताबिक, सीतापुर के बेलझरिया बिसुआ निवासी दुर्गा शरण मिश्रा और उसके साथी सरस्वतीपुरम, जानकीपुरम निवासी राजेश राम को लखनऊ में भैंसा कुंड के पास से पकड़ा गया है।आरोपितों के पास से भारतीय खाद्य निगम वर्ष २०२० का कूटरचित रिजल्ट, जाली आफर लेटर व मेट्रो रेल कारपोरेशन का फर्जी नियुक्ति पत्र समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपित दुर्गा शरण ने बताया कि वह अंबेडकरनगर का मूल निवासी है।

वर्ष २००७ से डा. राजेश राम के साथ मिलकर वह कई विभागों में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करता था। वर्ष २००६ से अब तक आरोपित पर लखनऊ, आजमगढ़ व अयोध्या में कई मुकदमे दर्ज हैं। लखनऊ के एक मुकदमे में आरोपित को सजा भी हो चुकी है। चार साल तक वह जेल में भी था।हालांकि रिहा होने के बाद उसने फिर से फर्जीवाड़ा शुरू कर दिया। आरोपित ने बताया कि अब तक उसने करीब ५०० अभ्यर्थियों से ठगी की है। प्रत्येक अभ्यर्थी से वह तीन से पांच लाख रुपये वसूलता था। ठगी की रकम से उसने जागृति फिल्म प्रोडक्शन का काम शुरू कर सात फिल्में एवं कई एल्बमों को प्रोड्यूस किया।आरोपित खुद को खाद्य निगम का अधिकारी बताकर लोगों को झांसे में लेता था। वहीं, डा. राजेश राम ने बताया कि वह राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मेजरगंज, रायबरेली में तैनात है। वर्ष २००७ से दुर्गा शरण मिश्रा के साथ मिलकर फर्जीवाड़ा कर रहा है। डाक्टर होने के कारण उसकी छवि अच्छी थी और लोग उसके झांसे में आ जाते थे।

गोरखपुर से वाराणसी के लिए रविवार को नई उड़ान शुरू होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के लिए रविवार २७ मार्च को नई उड़ान शुरू होगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने शनिवारशाम जारी एक बयान में यह जानकारी दी। प्रवक्ता के मुताबिक, योगी २७ मार्च को गोरखपुर से वाराणसी के बीच नई उड़ान की शुरुआत से जुड़े कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से लखनऊ से सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि यह हवाई सेवा 'उड़ान योजना' के तहत शुरू की जा रही है। प्रवक्ता के अनुसार, इस कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर से हिस्सा लेंगे, जबकि केंद्रीय नागरिक उड्डयन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री डॉ. वीके सिंह भी इसमें शामिल होंगे। प्रवक्ता ने बताया कि गोरखपुर से वाराणसी के लिए उड़ान सेवा शुरू

होने से गोरखपुर से जुड़े गंतव्य स्थानों की संख्या आठ और कुल विमानों की संख्या १२ हो जाएगी। राज्य सरकार केंद्र के सहयोग से प्रदेश में नागरिक उड्डयन सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

चुनाव खत्म होते ही चाचा-भतीजे में फिर ठनी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के खेमे में हार के बाद ही हड़कंप मचा हुआ है। समाजवादी पार्टी के विधायक दल की बैठक बुलाई गई। लेकिन सपा विधायक दल की बैठक में शिवपाल यादव को नहीं बुलाया गया है। जिसके बाद से ही एक बार फिर चाचा–भजीते में तकरार की खबरें सामने आने लगी हैं। तमाम अटकलों के बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने इस बार खुद ही विपक्ष के खेमे की कमना अपने हाथों में ले ली है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव को सपा विधायक दल का नेता और विपक्ष का नेता चुना गया है। अखिलेश यादव अब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में रहेंगे। अखिलेश यादव को नेता विधानमंडल दल का प्रस्ताव वरिष्ठ नेता लालजी वर्मा ने किया। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के दौरान पहली बार अखिलेश यादव मैनपुरी के करहल सीट से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। करहल को समाजवादी पार्टी की सबसे सेफ सीट माना जाता है। अखिलेश यादव आजमगढ़ से सांसद भी थे और उन्होंने अपनी विधायकी के लिए लोकसभा से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी हुआ करते थे लेकिन इस बार के

चुनाव में वो जीत दर्ज करने में सफल नहीं हो पाए। शिवपाल इस मीटिंग में शामिल होने के लिए इटावा से लखनऊ आ गए थे। लेकिन उन्हें कोई फोन ही नहीं आया। शिवपाल इससे बेहद नाराज बताए जा रहे हैं। शिवपाल यादव ने एक न्यूज चौनल से बात करते हुए इस बात को खुद स्वीकार्य किया। उन्होंने कहा कि सभी विधायकों को पार्टी कार्यालय से फोन किया गया लेकिन उन्हें कोई क ल नहीं आया। इसके साथ ही आगे के कदम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी जल्द ही वो देंगे।

चोरी के नौ मोबाइल फोन संग बाल आपचारी गिरफ्तार

लखनऊ। कृष्णा नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक बाल आपचारी को चोरी के नौ मोबाइल फोन संग गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बाल आपचारी के खिलाफ पुलिस ने चोरी की धाराओं में कार्रवाई किया है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी आलोक राय ने बताया कि रविवार देर शाम मुखबिर से शातिर के बारे में जानकारी मिलने पर उनके द्वारा गठित टीम फिनिक्स चौकी प्रभारी संतोष गौड़ ने अपने हमराही संग मिलकर थाना क्षेत्र स्थित शकुंतला प्लाजा के पास से बाल आपचारी को चोरी के नौ मोबाइल फोन संग गिरफ्तार किया। पुलिस को गिरफ्त में आए आपचारी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह केसरी खेड़ा फाटक गंगा खेड़ा थाना कृष्णा नगर का रहने वाला है और चारबाग व आलमबाग बस अड्डे सहित नहर चौराहे पर बस से आने जाने वालों के मोबाइल फोन चोरी की बात कबूल किया है। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया बाल अपचारी चोरी का मोबाइल फोन बेचने आया था इसी दौरान पुलिस ने आपचारी को गिरफतार किया था। पकड़े गए मोबाइलों की कीमत लगभग ४५ हजार रुपए है। पुलिस के मुताबिक बाल आपचारी के खिलाफ चोरी की धाराओं में कार्रवाई कर किशोर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पीएम मोदी ने किया नए भारत का जिक्र

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ४०० बिलियन ड लर यानी ३० लाख करोड़ रुपये मूल्य के वस्तुओं के निर्यात का लक्ष्य पहली बार हासिल करने और केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों की अ नलाइन खरीद के पोर्टल 'गवर्नमेंट ई–मार्केटप्लेस' (जीईएम) से वित्त वर्ष २०२१–२२ में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के माल एवं सेवाओं की खरीद का उल्लेख करते हुए कहा कि यही तो ''नया भारत'' है जो न केवल बड़े सपने देखता है बल्कि उस लक्ष्य तक पहुंचने का साहस भी दिखाता है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ''मन की बात'' की ८७वीं कड़ी में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि इसी साहस के दम पर सभी भारतीय मिलकर ''आत्मनिर्भर भारत'' का सपना भी जरुर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, ''एक समय में भारत से निर्यात का आंकड़ा कभी १०० बिलियन, कभी डेढ़–सौ बिलियन, कभी २०० सौ बिलियन तक हुआ करता था। अब आज, भारत ४०० बिलियन ड लर यानी ३० लाख करोड़ पर पहुंच गया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के कोने–कोने से नए–नए उत्पाद विदेश जा रहे हैं। इसक कड़ी में उन्होंने असम के हैलाकांडी के चमड़ों के उत्पाद, उस्मानाबाद के हैंडलूम के उत्पाद, बीजापुर की फल–सब्जियों, चंदौली के काले चावल और त्रिपुरा के कटहल का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका निर्यात तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़ी बात यह है कि नए–नए उत्पाद नए–नए देशों को भेजे जा रहे हैं। अब आप दूसरे देशों में जाएंगे, तो 'मेड इन इंडिया' उत्पाद

पहले की तुलना में कहीं ज्यादा नजर आएंगे।'' उन्होंने कहा कि विदेशों में निर्यात किए जा रहे उत्पादों की सूची बहुत लंबी है और जितनी लम्बी यह सूची है, उतनी ही बड़ी ''मेक इन इंडिया'' की ताकत है और उतना ही विराट भारत का सामर्थ्य है। उन्होंने कहा, ''भारत के लोगों का ये सामर्थ्य अब दुनिया के कोने–कोने में, नए बाजारों में पहुंच रहा है।''प्रधानमंत्री ने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बनाने और भारतीय उत्पादों की प्रतिष्ठा बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि जब एक–एक भारतवासी 'लोकल के लिए वोकल' (स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने वाला) होता है, तब स्थानीय उत्पादों को वैश्विक होते देर नहीं लगती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में जीईएम पोर्टल के जरिए सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की चीजें खरीदी हैं और देश के कोने–कोने से करीब–करीब सवा–लाख लघु उद्यमियों और छोटे दुकानदारों ने अपना सामान सरकार को सीधे बेचा है। उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब बड़ी कम्पनियां ही सरकार को सामान बेच पाती थीं लेकिन अब देश बदल रहा है और पुरानी व्यवस्थाएं भी बदल रही हैं। उन्होंने कहा, ''अब छोटे से छोटा दुकानदार भी जीईएम पोर्टल पर सरकार को अपना सामान बेच सकता है। यही तो नया भारत है। ये न केवल बड़े सपने देखता है बल्कि उस लक्ष्य तक पहुंचने का साहस भी दिखाता है, जहां पहले कोई नहीं पहुंचा हो। इसी साहस के दम पर हम सभी भारतीय मिलकर आत्मनिर्भर भारत का सपना भी जरुर पूरा करेंगें।

राज्य भी धार्मिक और भाषाई समुदायों को अल्पसंख्यक घोषित कर सकते हैं : केंद्र

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया है कि राज्य सरकारें भी राज्य की सीमा में हिन्दू सहित धार्मिक और भाषाई समुदायों को अल्पसंख्यक घोषित कर सकती हैं। केंद्र सरकार ने यह दलील अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दाखिल याचिका के जवाब में दी है, जिसमें उन्होंने अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के लिए राष्ट्रीय आयोग अधिनियम–२००४ की धारा–२ (एफ) की वैधता को चुनौती दी है। उपाध्याय ने अपनी अर्जी में धारा–२(एफ) की वैधता को चुनौती देते हुए कहा कि यह केंद्र को अकूत शक्ति देती है जो ''साफ तौर पर मनमाना, अतार्किक और आहत करने वाला है।'' याचिकाकर्ता ने देश के विभिन्न राज्यों में अल्पसंख्यकों की पहचान के लिए दिशानिर्देश तय करने के निर्देश देने की मांग की है। उनकी यह दलील है कि देश के कम से कम १० राज्यों में हिन्दू भी अल्पसंख्यक हैं, लेकिन उन्हें अल्पसंख्यकों की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने अपने जवाब में कहा है कि हिंदू, यहूदी, बहाई धर्म के अनुयायी उक्त राज्यों में अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना कर सकते हैं और उन्हें चला सकते हैं एवं राज्य के भीतर अल्पसंख्यक के रूप में उनकी पहचान से संबंधित मामलों पर राज्य स्तर पर विचार किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा, ''यह (कानून) कहता है कि राज्य सरकार भी राज्य की सीमा में धार्मिक और भाषायी समुदायों को अल्पसंख्यक समुदाय घोषित कर सकती हैं।'' मंत्रालय ने कहा, ''उदाहरण के लिए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की सीमा में 'यहूदियों' को अल्पसंख्यक घोषित किया है जबकि कर्नाटक सरकार ने उर्दू, तेलुगु, तमिल, मलयालम, मराठी, तुलु, लमणी, हिंदी, कोंकणी और गुजराती भाषाओं को अपनी सीमा में अल्पसंख्यक अधिसूचित किया है।'' केंद्र ने कहा, ''इसलिए राज्य भी अल्पसंख्यक समुदाय अधिसूचित कर सकती हैं। याचिकाकर्ता का आरोप है कि यहूदी, बहाई और हिंदू धर्म के अनुयायी जो लद्दाख, मिजोरम, लक्ष्द्वीप, कश्मीर, नगालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पंजाब और मणिपुर में वास्तविक अल्पसंख्यक हैं अपनी पसंद से शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन नहीं कर सकते, गलत है।'' मंत्रालय ने कहा कि यहूदी, बहाई और हिंदू धर्म के अनुयायी या वे जो राज्य की सीमा में अल्पसंख्यक के तौर पर चिह्नित किए गए हैं उल्लेखित किए गए

राज्यों में क्या अपनी पसंद से शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन कर सकते हैं, इसपर विचार राज्य स्तर पर किया जा सकता है। मंत्रालय द्वारा दाखिल हलफनामा में कहा गया कि अल्पसंख्यकों के लिए राष्ट्रीय आयोग अधिनियम–१९९२ को संसद ने संविधान के अनुच्छेद–२४६ के तहत लागू किया है, जिसे सातवीं अनुसूची के तहत समवर्ती सूची की प्रवेशिका २० के साथ पढ़ा जाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा, ''यदि यह विचार स्वीकार किया जाता है कि अल्पसंख्यकों के मामलों पर कानून बनाने का अधिकार केवल राज्यों को है तो ऐसी स्थिति में संसद इस विषय पर कानून बनाने की उसकी शक्ति से वंचित कर दी जाएगी जो संविधान के विरोधाभासी होगा।'' केंद्र ने कहा, ''अल्पसंख्यकों के लिए राष्ट्रीय आयोगअधिनियम–१९९२ न तो मनमाना है या न ही अतार्किक है और न ही संविधान के किसी प्रावधान का उल्लंघन करता है।'' मंत्रालय ने उस दावे को भी अस्वीकार कर दिया जिसमें कहा गया कि धारा–२(एफ) केंद्र को अकूत ताकत देती है। अधिवक्ता अश्विनी कुमार दुबे के जरिये दाखिल अर्जी में कहा गया कि 'असलीं अल्पसंख्यकों को लाभ देने से इनकार और योजना के तहत ''मनमाना और अतार्किक' वितरण उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। अर्जी में कहा गया, ''वैकल्पिक तौर पर निर्देश दिया जाए कि लद्दाख, मिजोरम, लक्षद्वीप, कश्मीर, नगालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पंजाब और मणिपुर में रहने वाले यहूदी, बहाई और हिंदू धर्म के अनुयायी अपनी इच्छा और टीएमए पई के फैसले की भावना के तहत शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और संचालन कर सकते हैं।'' उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने टीएमए पई फाउंडेशन मामले में व्यवस्था दी थी की राज्य को अपनी सीमा में अल्पसंख्यक संस्थानों में राष्ट्रहित में उच्च दक्षता प्राप्त शिक्षक मुहैया कराने के लिए नियामकीय व्यवस्था लागू करने का अधिकार है ताकि शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सके। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने इससे पहले केंद्र द्वारा पांच समुदायों मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी को अल्पसंख्यक घोषित किए जाने के खिलाफ विभिन्न उच्च न्यायालयों में दाखिल याचिकाओं को उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित करने और मुख्य याचिका के साथ शामिल करने की अनुमति दी थी।

मैं राष्ट्रपति पद का प्रस्ताव कभी स्वीकार नहीं करूंगी : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस ने उनके समर्थकों को गुमराह करने के लिए यह झूठा प्रचार किया था कि अगर उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा को जीतने दिया गया, तो बहन जी को राष्ट्रपति बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने यह भी साफ कर दिया कि वह किसी भी पार्टी से इस तरह के प्रस्ताव को कभी स्वीकार नहीं करेंगी। पार्टी की विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद बसपा प्रमुख मायावती रविवार को यहां पहली बार आयोजित पदाधिकारियों, प्रमुख कार्यकर्ताओं और पूर्व प्रत्याशियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा इस चुनाव में बसपा को कमजोर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक सोची समझी साजिश के तहत काम किया। मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार का कारण बताते हुए कहा, ''भाजपा ने अपने संगठन राष्ट्ध्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जरिये हमारे लोगों में यह गलत प्रचार कराया कि उप्र में बसपा की सरकार नहीं बनने पर हम आपकी बहन जी को देश का राष्ट्रपति बनवा देंगे, इसलिए आपको भाजपा को सत्ता में आने देना चाहिए।'' बसपा मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि उनके लिए राष्ट्रपति बनना तो बहुत दूर की बात है, वह इस बारे में सपने में भी नहीं सोच सकतीं। बसपा प्रमुख ने कहा कि इनको यह भी मालूम है कि बहुत पहले ही मान्यवर कांशीराम ने उनका यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था और मैं तो उनके पदचिह्नों पर चलने वाली उनकी मजबूत शिष्या हूं। उन्होंने कहा कि जब कांशीराम

ने यह पद स्वीकार नहीं किया, तो भला फिर वह कैसे यह पद स्वीकार कर सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि वह अपनी पार्टी और आंदोलन के हित में कभी भी भाजपा या अन्य किसी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद स्वीकार नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि अब मेरा जीवन ही संघर्ष है और संघर्ष ही मेरा जीवन है, अर्थात अब मेरी जिंदगी का एक–एक पल पूरे देश में अपनी पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने पर ही लगेगा। बसपा अध्यक्ष ने अति पिछड़े वर्गों, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा अगड़ी जातियों के गरीब और पीड़ित लोगों को भी जोड़ने पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि सात चरणों में हुए उत्त्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की मतगणना १० मार्च को हुई और प्रदेश की ४०३ सीट में बसपा को मात्र एक सीट पर जीत मिली। पिछले वर्ष २०१७ के चुनाव में बसपा ने केवल १९ सीट पर जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार चुनाव आने तक पार्टी के अधिकांश विधायक समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। वर्ष २००७ में मायावती के नेतृत्व में उत्त्तर प्रदेश में बहुमत की सरकार बनाने वाली बसपा के लिए इस बार का चुनाव परिणाम बेहद निराशा जनक रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज का एकतरफा वोट लेकर तथा दर्जनभर दलों व संगठनों के गठबंधन से चुनाव लड़ने के बावजूद सपा सत्ता में आने से काफी दूर रह गई है। ऐसे में सपा कभी भी सत्ता में वापस नहीं आ सकती है और ना ही यह पार्टी भाजपा को सत्ता में आने से रोक सकती है। मायावती ने यह भी दावा किया कि अब मुस्लिम समाज के लोग सपा को वोट देकर पछता रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की कमजोरी का सपा बार–बार फायदा उठा रही है, इसलिए दिशाहीन लोगों को सपा के शिकंजे से बाहर निकाल कर अपनी पार्टी में पुनरू वापस लाने का प्रयास करना है।

गरीबों के हित में मोदी कैबिनेट की बैठक में लिया गया अहम फैसला, पीएम अन्न योजना को ६ महीने बढ़ाने की दी मंजूरी

लखनऊ। पीएम मोदी ने कहा कि भारतवर्ष का सामर्थ्य देश के एक–एक नागरिक की शक्ति में समाहित है। इस शक्ति को और मजबूती देने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को ६ महीने और बढ़ाकर सितंबर २०२२ तक जारी रखने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को छह महीने तक बढ़ाने का फैसला किया। इस योजना का उद्देश्य देश के ८० करोड़ से अधिक लोगों की मदद करना है। मार्च २०२० में शुरू की गई इस योजना को बाद में मार्च २०२२ तक बढ़ा दिया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि भारतवर्ष का सामर्थ्य देश के एक–एक नागरिक की शक्ति में समाहित है। इस शक्ति को और मजबूती देने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को ६ महीने और बढ़ाकर सितंबर २०२२ तक जारी रखने का निर्णय लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के ८० करोड़ से अधिक लोग पहले की तरह इसका लाभ उठा सकेंगे। केंद्र सरकार इस योजना के तहत

हर महीने ५ किलो अनाज मुफ्त देती है। अतिरिक्त मुफ्त अनाज एनएफएसए के तहत प्रदान किए गए सामान्य कोटे से अधिक है, जो अत्यधिक रियायती दर पर २–३ रुपये प्रति किलोग्राम है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर शाम ४.३० बजे शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी ने की। गौरतलब है कि आज एक सप्ताह के भीतर केंद्रीय कैबिनेट की यह दूसरी बैठक हो रही है। बैठक में कई शीर्ष मंत्रियों की मौजूदगी रही। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना जरूरतमंद लोगों को मुफ्त भोजन प्रदान करती है। मार्च २०२० में पहले लकडाउन की घोषणा के दौरान सरकार पीएम गरीब कल्याण योजना लेकर आई थी, जिसके तहत गरीबों के लिए १.७५ लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई थी। भारत में पहली कोविड लहर के दौरान, लगभग १२० मिलियन प्रवासी श्रमिकों ने नौकरी खो दी थी, जिससे सरकार को गरीबों के लिए मुफ्त भोजन योजना जैसे कदम उठाने पड़े।

पहली कैबिनेट बैठक में सीएम योगी का बड़ा फैसला, यूपी में फ्री राशन योजना को तीन महीने तक बढ़ाया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दूसरी बार कमान संभालने के तुरंत बाद ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काम में लग गए हैं। शुक्रवार को शपथ ग्रहण हुआ और आज यानि शनिवार को सीएम योगी एक्शन में आते ही अपने नवगठित मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ पहली बैठक की। इस कैबिनेट मीटिंग के बाद योगी ने प्रेस कन्फ्रेंस कर बड़ा ऐलान किया है। बता दें कि, कोरोना काल से शुरू की गई फ्री राशन योजना की तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। यह फैसला सीएम योगी ने अपनी पहली कैबिनेट मीटिंग के बाद लिया। लखनऊ के लोक भवन में पहली कैबिनेट बैठक के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ऐलान करते हुए कहा कि, आज मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया है कि अगले ३ महीने के लिए मुफ्त राशन योजना को फिर से हम लागू करेंगे। इससे राज्य के १५ करोड़ लोगों को फायदा होगा। इसको लेकर कैबिनेट बैठक पर उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री संदीप सिंह ने बताया कि, योगीराज २.० की आज यानि शनिवार को पहली बैठक की गई और इस बैठक में

कई और महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे। साथ ही विभागों के विवरण को लेकर भी इस बैठक में चर्चा की जा सकती है। बता दें कि, शुक्रवार को योगी आदित्यनाथ ने इकाना स्टेडियम में दोबारा उत्तर प्रदेश के सीएम के तौर पर शपथ ली। इस शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित तमाम बड़े नेता मौजूद रहे।

अखिलेश यादव सपा विधान मंडल दल के नेता चुने गये, जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दे उठाएंगे

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को शनिवार को यहां नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों की बैठक में सर्वसम्मति से विधानमंडल दल का नेता चुना गया। पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नरेश उत्तम ने नवनिर्वाचित विधायकों की पहली बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक में यादव को समाजवादी पार्टी के विधानमंडल दल का नेता चुना गया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मैनपुरी की करहल सीट से जीतने वाले यादव ने हाल ही में आजमगढ़ से अपनी लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उत्तम ने कहा कि यादव के नेतृत्व में सपा लोगों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को विधानसभा और विधान परिषद में जोरदार तरीके से उठाएगी और राज्य सरकार के झूठे दावों और गलत नीतियों का विरोध करेगी। जब विधायक दल की बैठक चल रही थी, तब पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा और अपनी पारंपरिक जसवंत नगर सीट से सपा के चुनाव चिह्न पर विधायक चुने गए शिवपाल सिंह यादव ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया है। शिवपाल सिंह ने कहा, मुझे बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं है, मैंने सपा नेताओं से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। इन परिस्थितियों में मेरा विधायक दल की बैठक में जाना सही नहीं होगा। शिवपाल ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, मैं उसके अनुसार काम करूंगा, लेकिन मुझे विधायक दल की बैठक के लिए नहीं बुलाया गया, हालांकि मैं समाजवादी पार्टी से विधायक हूं। शिवपाल सिंह को न्योता न दिए जाने के बारे में पूछे

जाने पर नरेश उत्तम ने स्पष्ट किया, आज की बैठक के लिए केवल समाजवादी पार्टी के विधायकों को बुलाया गया था और २८ मार्च को गठबंधन सहयोगियों के विधायकों की बैठक होगी, उसमें सभी सहयोगी दलो के नेताओं को बुलाया जाएगा।

उत्तम ने कहा, शिवपाल सिंह की अपनी एक पार्टी है और यह गठबंधन सहयोगी है। सभी गठबंधन सहयोगियों के विधायकों को २८ मार्च को बैठक के लिए बुलाया जा रहा है। अखिलेश यादव उनसे परामर्श करेंगे और चर्चा के बाद सदन में लोगों के मुद्दों को उठाया जाएगा।'' हालांकि उन्होंने इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि तकनीकी रूप से शिवपाल यादव सपा विधायक थे, क्योंकि उन्होंने इसके टिकट पर चुनाव लड़ा था। उत्तम ने कहा कि बैठक के दौरान नवनिर्वाचित विधायकों ने अखिलेश यादव के नेतृत्व की भी सराहना की, जिन्हें आज सर्वसम्मति से पहले विधानमंडल दल का नेता चुना गया है। उन्होंने कहा, उप्र में केंद्र सरकार और अन्य राज्यों में धन बल का दुरुपयोग किया गया और परिणाम भी प्रभावित हुए, जो जीते थे वे हार गए। उन्होंने कहा कि पार्टी के एक विधायक को छोड़कर सभी ने आज की बैठक में भाग लिया। हाल ही में हुए चुनावों में, अखिलेश ने अपने पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा सांसद एसपी सिंह बघेल को मैनपुरी में करहल सीट पर करीब ६०,००० मतों से हराकर जीत हासिल की। उन्होंने कहा, ''पिछले कार्यकाल में सपा के पास ४७ विधायक थे, लेकिन इस बार उसके गठबंधन के १२५ सदस्य हैं, जिनमें सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के छह विधायक और राष्ट्रीय लोक दल के आठ विधायक शामिल हैं। ऐसी स्थिति में विपक्ष इस बार कहीं बेहतर स्थिति में है।

बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने उड़ाई लाखों की नकदी व ज्वैलरी

लखनऊ। राजधानी के पौश इलाके आशियाना में घूम रहे बेखौफ चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर कमरे की अलमारी में रखे लाखों रुपए की कीमत के कीमती गहने सहित एक लाख रुपए की नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता ने स्थानीय थाना आशियाना पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत की। स्थानीय पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है।आशियाना थाना क्षेत्र के ६७३ सेक्टर आई मे रहने वाली गीता देवी पत्नी संदेश सिंह ने बताया कि उनकी एक खुद की इनोवा गाड़ी है जो एक निजी ट्रेवल एजेंसी से अटेच है। वहीं पीड़िता के मुताबिक बीते २२ मार्च को परिवार संग वह महाकाल उज्जैन

दर्शन के लिए गई थी और २५ मार्च को वापस लौटने के बाद घर पहुंचकर देखा तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ था और कमरे व कमरे में रखी अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। घटना की लिखित तहरीर स्थानीय थाना आशियाना पहुंचकर पुलिस को दी है। पीड़िता के मुताबिक चोरी ने कमरे में रखा होम थियेटर, चार सोने की चेन,चार सोने के लाकेट,तीन सोने के मंगलसूत्र, एक जोड़ी सोने की झुमकी, एक सोने का ब्रसटेल , तीन जोड़ी टोक्स, पांच अंगूठी, चांदी की पायल व मोबाइल फोन सहित एक लाख रुपए की नकदी चोरी हो गई है। वहीं आशियाना पुलिस के मुताबिक पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने नाबालिग लड़की को भगाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार भेजा जेल

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत १६ वर्षीय नाबालिग युवती को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने का मां ने लगाया युवक पर आरोप मां की लिखित तहरीर पर पुलिस ने युवक के विरुद्ध मुकदमा

दर्ज किया युवती की मां ने मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर देते हुए बताया कि मेरी नाबालिग पुत्री १६ वर्ष जो घर से शौच के लिए घर से निकली थी लेकिन तभी से घर वापस नहीं आई काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता ना चल सका मुझे शक है कि मेरी पुत्री को राज पुत्र जितेंद्र निवासी मऊ थाना मोहनलालगंज बहला– फुसलाकर कहीं भगा ले गया है जिस के संबंध में प्रार्थना पत्र देकर नाबालिग युवती की मां ने मुकदमा पंजीकृत कराया पुलिस ने युवती की मां ने लिखित तहरीर पर युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया वहीं मुखबिर की सूचना पर मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस ने मऊ क्र सिंग के पास आज सुबह लगभग १०रू०० बजे युवक व नाबालिग युवती को बरामद कर लिया पुलिस ने नाबालिक युवती को डॉक्टरी परीक्षण करा कर मां को सुपुर्द कर दिया वहीं युवक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया

दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने ली डिप्टी सीएम पद की शपथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हालिस करने के बाद यूपी की जिम्मेदारी एक बार फिर योगी आदित्यनाथ के कंधों पर सौंपी गयी। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। इस दौरान उनके नयी केबिनेट में शामिल होने वाले ५२ मंत्रियों ने भी शपथ ली है। नयी केबिनेट में कई पुराने चेहरों को शामिल किया गया और कुछ नये चेहरे भी देखें गये। केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने राज्य के डिप्टी सीएम पर की शपथ ली। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में दूसरी बार मुख्यमंत्री बनें है। उन्होंने एक मेगा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित और कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के आखिरी कार्यकाल में कानून मंत्री रहे ब्रजेश पाठक इस बार डिप्टी सीएम बनें। बसपा से बीजेपी में आए पाठक पार्टी के ब्राह्मण चेहरे बन गए हैं। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के तीन विधायक योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में शामिल हुए है। दयाशंकर मिश्र दयालू और रवींद्र जायसवाल को स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री बनाया गया जबकि अनिल राजभर को कैबिनेट मंत्री बनाया गया। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में दूसरी बार सरकार बनाने का दावा पेश किया और राज्य के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने एक मेगा कार्यक्रम में

मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। योगी आदित्यनाथ का जन्म ५ जून १६७२ में हुआ था। वह एक भारतीय हिंदू भिक्षु और राजनीतिज्ञ हैं, जो १६ से कार्यालय में उत्तर प्रदेश के २३वें और वर्तमान मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) द्वारा २०१७ के राज्य विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्हें २६ मार्च २०१७ को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसमें वे एक प्रमुख प्रचारक थे। उन्होंने दूसरी बार यूपी के मुख्यमंत्री बनने के लिए २०२२ के राज्य विधानसभा चुनाव में फिर से जीत हासिल की। वह १६६८ से लगातार पांच बार गोरखपुर निर्वाचन क्षेत्र, उत्तर प्रदेश से सांसद भी रहे हैं। आदित्यनाथ गोरखपुर में एक हिंदू मंदिर, गोरखनाथ मठ के महंत या मुख्य पुजारी भी हैं, जो सितंबर २०१४ में अपने आध्यात्मिक षपिताष महंत अवैद्यनाथ की मृत्यु के बाद से इस पद पर हैं। वह हिंदू युवा वाहिनी, एक हिंदू राष्ट्रवादी संगठन के संस्थापक भी हैं।उनकी एक हिंदुत्व राष्ट्रवादी और दक्षिणपंथी लोकलुभावन छवि है। योगी आदित्यनाथ के नये मंत्री कैबिनेट मंत्री के तौर पर सूर्य प्रताप शाही, सुरेश कुमार खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, बेबी रानी मौर्य, लक्ष्मी नारायण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, भूपेंद्र सिंह चौधरी, अनिल राजभर, जितिन प्रसाद, राकेश सचान, अरविंद कुमार शर्मा, योगेंद्र उपाध्याय, आशीष पटेल, संजय निषाद शपथ ली है। इसके अलावा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के पद के लिए नितिन अग्रवाल, कपिलदेव अग्रवाल, रवीन्द्र जायसवाल, संदीप सिंह, गुलाब देवी, गिरीश चंद्र यादव, धर्मवीर प्रजापति, असीम अरुण, जेपीएस राठौर, दयाशंकर सिंह, नरेंद्र कश्यप, दिनेश प्रताप सिंह, अरुण कुमार सक्सेना, दयाशंकर मिश्र दयालु ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्य मंत्री– मयंकेश्वर सिंह, दिनेश खटिक, संजीव गौड़, बलदेव सिंह ओलख, अजीत पाल, जसवंत सैनी, रामकेश निषाद, मनोहर लाल मन्नू कोरी, संजय गंगवार, बृजेश सिंह, केपी मलिक, सुरेश राही, सोमेंद्र तोमर, अनूप प्रधान, प्रतिभा शुक्ला, राकेश राठौर, रजनी तिवारी, सतीश शर्मा, दानिश आजाद अंसारी, विजय लक्ष्मी गौतम ने शपथ ली। योगी आदित्यनाथ का शपथ ग्रहण समारोह लखनऊ के इकाना स्टेडियम में एक भव्य समारोह के साथ हुआ। भाजपा के विधायक दल ने पहले दिन में पार्टी की बैठक में योगी आदित्यनाथ को अपना नेता चुना, जिसके बाद राज्य की अगली सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार ने राज्यपाल से मुलाकात की। मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, अन्य राज्यों के मंत्रियों और उद्योगपतियों को निमंत्रण भेजा गया। योगी आदित्यनाथ ने व्यक्तिगत रूप से यूपी के पूर्व मुख्यमंत्रियों मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव और मायावती को बुलाया और उन्हें आमंत्रित किया। भाजपा शासित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों में पुष्कर सिंह धामी और बसवराज बोम्मई को न्योता भेजा गया है। समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं शामिल हुए। छत्तीसगढ़ और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्रियों – रमन सिंह और रघुबर दास को भी आमंत्रित किया गया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, अनुराग ठाकुर, मुख्तार अब्बास नकवी, नरेंद्र सिंह तोमर, धर्मेंद्र प्रधान, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, महेंद्र नाथ पांडे, स्मृति ईरानी, घ्हरदीप सिंह पुरी, अन्नपूर्णा यादव और शोभा करंजले के शामिल हुए।

शपथ ग्रहण समारोह में हुई अव्यवस्था पर मुख्य सचिव ने तलब की रिपोर्ट

लखनऊ। अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इकाना स्टेडियम में शुक्रवार को योगी सरकार के शपथ ग्रहण के दौरान हुई अव्यवस्था ने शीर्ष अधिकारियों की भी चिंता बढ़ा दी है। गृह मंत्री अमित शाह व अन्य वीवीआइपी की सुरक्षा में चूक प्रशासन व पुलिस की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर रही है। समारोह स्थल पर हुई अव्यवस्था को लेकर शीर्ष स्तर से हुई शिकायतों को बेहद गंभीरता से लिया गया है।मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने इस संबंध में रिपोर्ट तलब की है और वह रविवार को अवकाश के दिन गृह व पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। डीजीपी मुकुल गोयल ने लखनऊ के पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर से रिपोर्ट मांगी है। यातायात व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त रखने के लिए बड़े पैमाने पर की गई तैयारियों के बावजूद किन कारणों से पूरी व्यवस्था चरमरा गई, इसे लेकर डीजीपी ने सभी बिंदुओं पर गहन मंथन का निर्देश दिया है। गड़बड़ी किन कारणों से हुई, उन्हें खोजने को कहा है।इकाना स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह में वीवीआइपी, वीआइपी व अन्य अतिथियों के प्रवेश के लिए पांच गेट बनाये गये थे। वीआइपी मूवमेंट के लिए शहीद पर सामान्य यातायात को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर डायवर्जन लागू किये गये थे। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी आना था। लिहाजा एसपीजी से लेकर अन्य एजेंसियां भी पूरी तरह से सक्रिय थीं। कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के साथ पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती तो यातायात प्रबंधन की थी। यही वजह है कि ३५० अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी। इकाना स्टेडियम के आसपास के मार्गों से लेकर शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर यातायात के विशेष बंदोबस्त के दावे किये गये थे। अतिरिक्त आइपीएस व पीपीएस अधिकारी भी तैनात किये गये थे।इसके बावजूद समारोह स्थल पर जब अतिथियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ तो व्यवस्था चरमराती चली गई। नतीजे में शहीद पथ से लेकर अन्य प्रमुख मार्गों पर भीषण जाम लगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक व अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री, कई सांसद व विधायकों को समारोह स्थल से अपने वाहनों तक पहुंचने के लिए काफी दूर तक पैदल चलना पड़ा। स्टेडियम के भीतर भी वीआइपी से लेकर अन्य अतिथियों को खूब धक्का–मुक्की सहनी पड़ी। दरअसल, पुलिस प्रशासन के लिए यातायात प्रबंधन की दृष्टि से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण था। लखनऊ में इतनी बड़ी संख्या में वीवीआइपी व वीआइपी की मौजूदगी में होने वाले समारोह को आने वाले दिनों में नजीर के तौर पर पेश किये जाने की तैयारी तो की गई थी, लेकिन प्रशासन व पुलिस के अधिकारी उस पर खरे नहीं उतर सके।

अलीगढ़ में पीपीपी माडल पर बनेगा हार्डवेयर पार्क

लखनऊ। ताला नगरी के नाम से प्रसिद्ध अलीगढ़ में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने हार्डवेयर पार्क बनाने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम की २५४वीं बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को स्वींति दे दी गई। साथ ही पिछले वर्ष की तुलना में दोगुणे हुए निगम के व्यवसाय का ब्योरा भी निदेशक मंडल के सामने प्रस्तुत किया गया।सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. नवनीत सहगल की अध्यक्षता में रविवार को हुई बैठक में हार्डवेयर पार्क का प्रस्ताव रखा गया। इसमें बताया गया कि अलीगढ़ में पीपीपी माडल पर १२ करोड़ रुपये की लागत से १२.५ एकड़ क्षेत्रफल में हार्डवेयर पार्क विकसित किया जाना है। प्रस्ताव को स्वींति दे दी गई। बैठक में निर्देश दिया गया कि लघु उद्योग इकाइयों के प्रयोग के लिए कोयले के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर पब्लिक चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के लिए निगम को राज्य सरकार की इम्प्लीमेंट एजेंसी नामित किए जाने संबंधी प्रक्रिया आगे बढ़ाने की स्वींति दी गई।नवनीत सहगल ने कहा कि निगम ने अपनी स्थापना से लेकर इस वित्तीय वर्ष २०२१–२२ में सबसे अधिक व्यवसाय किया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग दोगुणा व्यवसाय किया है। पिछले वर्ष १८६ करोड़ रुपये का काम किया था, जो इस वर्ष बढ़कर ३०६ करोड़ रुपये हो गया है।उन्होंने अधिकारियों को निगम के व्यवसाय को और अधिक बढ़ाने के साथ खर्चों पर नियंत्रण रखने के निर्देश भी दिए। लोकभवन स्थित सभागार में आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में उपाध्यक्ष राकेश गर्ग, प्रबंध निदेशक राम यज्ञ मिश्र और प्रतिनिधि के रूप में सहायक लेखाधिकारी विमल प्रकाश व उपनिदेशक धीरज कुशवाहा उपस्थित थे।

यूपी पुलिस में जल्द होंगे तबादले, IPS अफसरो की लिस्ट तैयार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नई सरकार का गठन होने के साथ ही पुलिस विभाग में जल्द तबादलों का सिलसिला शुरू हो सकता है। जिलों की कमान बदले जाने से लेकर जोर व रेंज स्तर पर भी कई बदलाव होने की चर्चाएं हैं। हालांकि, पुलिस अधिकारियों के तबादले पर अंतिम मुहर सीएम योगी ही लगाएंगे। विधानसभा चुनाव से पूर्व आचार संहिता लागू होने के साथ ही पुलिस महकमे में तबादले रुक गये थे। अब नई सरकार के गठन के बाद जल्द आइपीएस व पीपीएस संवर्ग के कई अधिकारियों के स्थानान्तरण की तैयारी है। दरअसल, आगरा, बुलंदशहर, सीतापुर, सुलतानपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, वाराणसी ग्रामीण व देवरिया में वर्तमान में डीआइजी तैनात हैं। माना जा रहा है कि इन जिलों में एसपी के पद पर तैनात डीआइजी स्तर के अधिकारियों को जल्द नई जिम्मेदारी सौंपी जायेगी। विधानसभा चुनाव व होली के दौरान हुई गंभीर घटनाओं व उनमें की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की जा रही है। जिसके आधार पर भी कई जिलों के अधिकारियों गाज गिर सकती है।

होली मिलन समारोह पर सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह का किया गया सम्मानित

लखनऊ। कानपुर रोड आशियाना इलाके स्थित सेक्टर के शिव मंदिर प्रांगण में रविवार शाम आशियाना

रेजीडेन्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों अध्यक्ष राजेंद्र पाण्डेय व महासचिव आर के भाटिया ने सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह को मंच पर भारी फूलों की माला व अंगवस्त्र पहना मोमेंटो दे सम्मानित किया गया। इस होली मिलन समारोह पर विधायक राजेश्वर सिंह ने सभी क्षेत्रवासियों को भारी मतों से जीत हासिल कराने के लिए धन्यवाद दिया। इस होली मिलन समारोह में मौजूद लोगों ने विधायक राजेश्वर सिंह को फूल माला पहनाया। वहीं इस होली मिलन समारोह में रंगारंग कार्यक्रम व फूलों की होली संग कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने इंजन पार्ट्स के सामान सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

लखनऊ। नगराम पुलिस ने चोरी के इंजन पार्ट्स के सामान सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। नगराम थाना प्रभारी शमीम खान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली सूचना के आधार पर अभियुक्त वाजिद अली पुत्र स्वद्ग नासिर अली निवासी करोरा जो थाना क्षेत्र के केवली गांव की तरफ से आ रहा था पुलिस टीम देखकर वह इधर उधर करने लगा, जिसे अचली खेड़ा रेगुलेटर के समीप दौड़ाकर गिरफ्तार किया गया । प्रभारी ने बताया कि जामा तलाशी लेने पर जूट की बोरी से इंजन के पार्ट्स कटे हालत में मिले , जो लगभग २० किलो था। पुलिस टीम को खरीद–फरोख्त की रसीद मांगने पर दिखाने में असमर्थ रहा अभियुक्त को शनिवार की देर रात गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजींत कर जेल भेज दिया गया है।

शपथ समारोह से पहले मुठभेड़ में एक लाख का इनामी ढेर

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के शपथ समारोह से पहले लखनऊ पुलिस ने एक बड़ा एनकाउंटर किया है। अलीगंज में तिरुपति ज्वेलर्स के यहां कर्मचारी की हत्या कर लूटपाट करने के आरोपित एक लाख के इनामी राहुल को पुलिस से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक लाख का इनामी राहुल मारा गया। वह मूल रूप से शाहजहांपुर का था रहने वाला था।आरोपित ने ०८ दिसंबर २०२१ में तिरुपति ज्वेलर्स में साथियों के साथ लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। वहीं मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ घंटे पहले ही लखनऊ पुलिस ने मुठभेड़ में कई मामलों में वांछित चल रहे राहुल को मार गिराया। इंस्पेक्टर अलीगंज धर्मेंद्र यादव के मुताबिक, शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे पुलिस चेकिंग के दौरान बंधा रोड हेल्थ हास्पिटल, हसनगंज के पास बिना नम्बर की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार को रोका गया। पुलिस के रोकने पर बाइक सवार युवक भागने लगा।संदेह होने पर पीछा किया गया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया। छानबीन में पता चला कि मुठभेड़ में घायल युवक एक लाख का इनामी मोरापुर थाना जलालाबाद, शाहजहांपुर निवासी राहुल सिंह है। आरोपित को भाऊराव देवरस अस्पताल में ले जाया गया था, जहां से उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राहुल के पास से बिना नम्बर की एक अपाचे मोटरसाइकिल, अवैध असलहे व कई कारतूस तथा कीमती जेवर बरामद किए गए हैं।राहुल सिंह ने कपूरथला स्थित निखिल अग्रवाल के तिरुपति ज्वैलर्स में आठ दिसंबर २०२१ को कर्मचारी श्रवण को गोली मारकर करीब ४० लाख रुपए कीमत के सोने के गहने लूट लिये थे। तब उस पर एक लाख रुपए का इनाम रखा गया था। १६ दिसंबर २०२१ को इस घटना में शामिल उसके साथी गाजीपुर सेक्टर सी निवासी हर्ष सिंह उर्फ हनी सिंह और गुडंबा कल्याणपुर निवासी रवि कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया गया था।राहुल ने ८ दिसंबर २०२१ को तिरुपति ज्वेलर्स के यहां धावा बोला था। तब सेक्टर बी अलीगंज निवासी सर्राफ निखिल अग्रवाल, दो महिला कर्मचारी के अलावा श्रवण कुमार मौजूद थे। राहुल ने साथियों संग श्रवण कुमार की हत्या कर लूटपाट की थी। छानबीन के दौरान सीसी फुटेज में राहुल कैद हो गया था। पुलिस ने लूटपाट में शामिल गुडंबा निवासी हनी सिंह और रवि कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया था, लेकिन राहुल का सुराग नहीं मिल रहा था। गुरुवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस ने संदिग्ध को रोका तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी और जवाबी कार्रवाई में मारा गया।

पारिवारिक रंजिश के चलते दो सगे भाइयों में जमकर हुई मारपीट

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी में पारिवारिक रंजिश के चलते दो सगे भाइयों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें बड़े भाई ने परिवार समेत छोटे भाई शकील को बेरहमी से पीटा। पीड़ित ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है।सिसेंडी के रहने वाले शकील पुत्र मुन्ना ने बताया कि मैं मजदूरी करके गुजर बसर करता हूं लेकिन मेरा बड़ा भाई सलीम बिना बात के आए दिन झगड़ा करने पर आमादा रहता है उसके आए दिन के झगड़ों से तंग आकर मै अलग मकान बनवा कर रहने लगा। फिर भी सलीम झगड़े पर आमादा रहता है रविवार को सलीम उसकी पत्नी आसमां व लड़का सलमान ने अचानक झगड़ा करना शुरू कर दिया और लाठी–डंडों से बहुत मारा पीटा इसमें शकील व उसके परिवार वालों को काफी चोटें आई हैं। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्यवाही की जा रही है।

अद्भुत गाँव : भुतहा गाँव, जहां पर कोई भूल कर भी जाने की कोशिश नहीं करता

अमरेन्द्र सहाय अमर

भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जो अपने रहस्यमय कारणों के चलते हमेशा चर्चा में रहती हैं. उन्हीं में से एक है राजस्थान में स्थित कुलधरा गांव. कहा जाता है कि ये गांव पिछले कई सालों से शापित है. इसी कड़ी में आज हम कुलधरा गांव के रहस्य को जानेंगे. कुलधरा गांव के इस रहस्य के पीछे एक ऐतिहासिक घटना छिपी है. इस गांव में पिछले कई सालों से कोई बसेरा नहीं हुआ है. गांव के आसपास के लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई भूतिया घटनाएं होती रहती हैं. इस कारण यहां पर कोई भूल कर भी जाने की कोशिश नहीं करता. आज ये पूरी जगह बंजर और वीरान हो चुकी है. जर्जर हालातों में पड़े यहां के खंडहर आज भी उस घटना की गवाही देते हुए दिखते हैं, जिसने इस सुंदर गांव को एक वीराने में तब्दील कर दिया. कुलधरा गांव आज जिस हालात में है वैसे पहले कभी नहीं था. ये गांव पहले काफी सुंदर हुआ करता था. आज से लगभग २०० साल पहले कुलधरा गांव में पालीवाल ब्राह्मण काफी संख्या में रहते थे.१८२५ में अचानक इस गांव को सभी लोगों ने खाली कर दिया. मान्यता है कि गांव को खाली करते हुए लोगों ने ये श्राप दिया कि जो कोई भी इस गांव में बसने की कोशिश करेगा वह पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा. उस घटना के बाद से ये गांव अब तक वीरान पड़ा है. आखिर ऐसा क्या हुआ था, जिसके चलते पालीवाल ब्राह्मण और बाकी लोगों ने गांव को छोड़ते हुए ये श्राप दिया. इसे जानने के लिए हमें कुलधरा के इतिहास पर गौर करना होगा. इस गांव को पालीवाल ब्राह्मणों ने सन १२६१ में बसाया था .पालीवाल ब्राह्माण पाली के निवासी थे. वह सभी ११वीं शताब्दी में पाली से विस्थापित होकर राजस्थान के विभिन्न स्थानों जोधपुर, जैसलमेर, साथलमेर, बीकानेर आदि में आकर रहने लगे. उस दौरान कुलधरा काफी समृद्ध गांव हुआ करता था. ये गांव हर सुख सुविधा से संपन्न था. यहां पर कई बड़ी बड़ी हवेलियां हुआ करती थीं. अचानक इस गांव में कुछ ऐसा हुआ, जिसने सब कुछ बदल गया. एक मान्यता के अनुसार यहां की रियासत के दीवान सालेम सिंह की नजर गांव के ब्राह्मण की पुत्री शक्ति मैया पर थी.वह उसके साथ

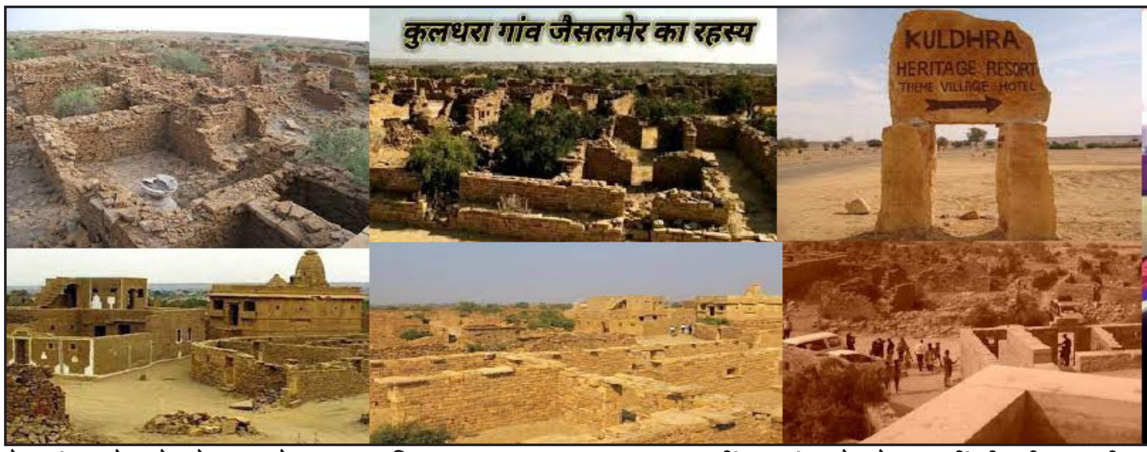

विवाह करना चाहता था. वहीं दूसरी तरफ गांव का ब्राह्मण अपनी पुत्री का विवाह किसी दूसरी बिरादरी में नहीं करना चाहते थे. सालेम सिंह ने गांव वालों को धमकी दी कि अगर वो शक्ति मैया से उनकी शादी नहीं करवाते हैं, तो वो पूरे गांव को तहस नहस कर देगा. ऐसे में गांव के सभी पालीवाल ब्राह्मणों ने पंचायत में ये निर्णय लिया कि वे इस गांव को छोड़ देंगे. उसके बाद सभी ब्राह्मण गांव को वैसा ही छोड़कर रातों रात वहां से चले गए. जाते वक्त उन्होंने ये श्राप भी दिया कि जो कोई भी इस गांव में बसने की कोशिश करेगा, वह पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा. वहीं दूसरी कहानी की मानें तो गांव वालों ने सालेम सिंह द्वारा अत्यधिक मात्रा में कर वसूले जाने की वजह से परेशान होकर गांव को छोड़ा. वहीं तीसरी कहानी जो थोड़ा वैज्ञानिक भी लगती है, उसके मुताबिक पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा इस गांव को छोड़ने की मुख्य वजह सूखा और गांव में पानी के जलस्तर का नीचे गिरना था. हालांकि आज भी कई लोगों का कहना है कि इस गांव में श्राप के कारण भूतिया घटनाएं होती रहती हैं बदलते वक्त के साथ ८२ गांव तो दोबारा बन गए, लेकिन दो गांव कुलधरा और खाभा तमाम कोशिशों के बाद भी आजतक आबाद नहीं हुए हैं. ये गांव अब भारतीय पुरातत्व विभाग के संरक्षण में हैं जिसे दिन की रोशनी में सैलानियों के लिए रोज खोल दिया जाता है. कहा जाता है कि यह गांव रूहानी ताकतों के कब्जे में है. टूरिस्ट प्लेस में बदल चुके कुलधरा गांव घूमने आने वालों के मुताबिक यहां रहने वाले पालीवाल ब्राह्मणों की आहट आज भी सुनाई देती है. उन्हें वहां हरपल ऐसा अनुभव होता है कि कोई आसपास चल रहा है. बाजार के चहल–पहल की आवाजें आती हैं, महिलाओं के बात करने और उनकी चूड़ियों और पायलों की आवाज हमेशा ही आती रहती है. प्रशासन ने इस गांव की सरहद पर एक फाटक बनवा दिया है, जिसके पार दिन में तो सैलानी घूमने आते रहते हैं लेकिन रात में इस फाटक को पार करने की कोई हिम्मत नहीं करता है।

सदन से सड़क तक सरकार के अन्याय के खिलाफ संघर्ष करेगी समाजवादी पार्टी : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सरकार के अन्याय के खिलाफ सदन से लेकर सड़क तक संघर्ष करने का ऐलान किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना भी साधा। नेता प्रतिपक्ष चुने जाने की घोषणा के बाद अखिलेश ने शनिवार को सपा विधायक दल की बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, संकल्प ले रहे हैं आज सपा के एक सौ ग्यारह , जनता के मुद्दों पर संघर्ष करना ही लक्ष्य हमारा। गौरतलब है कि हाल ही में हुए यूपी विधानसभा चुनाव में सपा ने १११ सीटों पर जीत दर्ज की है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में सर्वसम्मति से विधानमंडल दल का नेता चुने जाने के बाद उन्हें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में भी मान्यता मिल गई। अखिलेश के सपा विधानमंडल दल का नेता चुने जाने के कुछ ही घंटों बाद विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने यहां जारी एक बयान में कहा कि विधानसभा सदस्य एवं सपा विधानमंडल दल के नेता अखिलेश यादव को २६ मार्च से उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में अभिज्ञात किया गया है। इससे पहले, यहां सपा मुख्यालय में पार्टी के विधानमंडल दल के सदस्यों की बैठक को संबोधित करते हुए

अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदन से लेकर सड़क तक सरकार के अन्याय के खिलाफ संघर्ष करेगी। उन्होंने सपा को भारी समर्थन देने के लिए प्रदेश के मतदाताओं का आभार जताया। अखिलेश ने कहा कि विधानसभा चुनाव के परिणाम जनभावनाओं के अनुरूप नहीं आए, लेकिन उससे निराश न होकर हम विपक्ष में रहकर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। उन्होंने विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए आरएसएस पर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि चुनाव में सपा ने सभी का मुकाबला किया, लेकिन आरएसएस और भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग किया। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया, आरएसएस भाजपा का राजनीतिक संगठन है। सपा के समर्थकों के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए, प्रशासन निष्पक्ष नहीं रहा और पोस्टल बैलेट से जीत को हार में बदल दिया गया। सपा मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार, अखिलेश ने विधायकों की बैठक में कहा कि समाजवादी पार्टी सदन से सड़क तक सरकार के अन्याय के खिलाफ संघर्ष करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा–आरएसएस की लोकतंत्र में आस्था नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को जहां जनता के प्रति जवाबदेह होना होगा, वहीं विधानसभा के प्रति भी सरकार को जवाब देना होगा। उन्होंने कहा, "हमें विपक्ष के रूप में जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना है। सदन में सरकार को घेरना है।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी–डंडे कई लोग घायल

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत दो पक्षों में जमकर चले लाठी–डंडे कई घायल पुलिस ने दोनों तरफ से तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है केसरी खेड़ा मजरा कुढा की रहने वाली गीता–पत्नी चंद्रशेखर ने लिखित तहरीर देते हुए बताया है कि रामपाल पुत्र बढढू सहित ६ लोगों के विरुद्ध तहरीर देते हुए बताया है कि विपक्षी गढ़ एक राय होकर प्रार्थिनी व उनके बच्चों को लाठी व डंडों से मारा पीटा और छत पर से ईटों से प्रहार किया वह सरिया फरसा कुल्हाड़ी से हम लोगों को बुरी तरह से मारा पीटा जिससे मेरे हाथ व शरीर में गंभीर चोट आई संजीवन के सिर पर सरिया से वार विपक्षी गणों ने किया जिससे उनके सर पर गंभीर चोटें आई महिला के तहरीर पर पुलिस ने विपक्षी गणों के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है वही दूसरी ओर रामपाल पासी निवासी केसरी खेड़ा मजरा कुढा मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर देते हुए बताया है कि गोकरन रोज आना शराब पीकर हम लोगों से गाली गलौज करता था विरोध करने पर गोकरन सहित करीब एक दर्जन लोगों ने एक राय होकर लाठी–डंडों से मारा पीटा ईंटों से हमला भी किया मुझे बचाने आई मेरी पत्नी को भी विपक्षी गणों ने मारा पीटा शोर–शराबा सुनकर ग्रामीण भी मौके पर आ पहुंचे ग्रामीणों को आता हुआ देखकर विपक्षी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए पुलिस मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है

द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री के खिलाफ मुंबई पुलिस में दर्ज हुआ केस

मुंबई। चर्चित फिल्म ' द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणी '' भोपाली माने समलैंगिक' के खिलाफ मुंबई में पुलिस से शिकायत की गई और उनके खिलाफ मानहानि और अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया किया अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत वर्सोवा पुलिस थाने में पत्रकार–सह सेलिब्रिटी जनसंपर्क प्रबंधक रोहित पांडेय ने अपने वकील अली काशिफ खान देशमुख के जरिये दर्ज कराई है। अधिकारी द्वारा उद्धृत शिकायत में कहा गया कि'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक ने मीडिया को दिए साक्षात्कार में 'जानबूझकर,निर्दयतापूर्ण और दुर्भावनापूर्ण तरीके से भोपालियों को समलैंगिक' कहकर अपने (पांडेय)मूल निवास स्थान भोपाल का असम्मनान और अपमान किया है। अधिकारी ने पुष्टि की कि इस

संबंध में लिखित शिकायत मिली है। उन्होंने बताया कि शिकायत में अग्निहोत्री के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा–१५३ ए और बी (दो समूहों में द्वेष को बढ़ावा देना), धारा–२९५ए (जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण कार्य से किसी वर्ग की धार्मिक या धार्मिक विश्वास का अपमान कर धार्मिक संघर्ष पैदा करने के इरादे से कार्य), धारा–२९८ (शब्द आदि से जानबूझकर धार्मिक भावना को आहत करना), धारा–५०० (मानहानि)और धारा–५०५ ए (बयान से दुश्मनी, नफरत या दुर्भावना पैदा करना) के तहत मामला दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। गौरतलब है कि भोपाल में आयोजित फिल्म महोत्सव में शुक्रवार को जाने से पहले अग्निहोत्री के साक्षात्कार का विवादित वीडियो अ नलाइल चौनलों पर वायरल हो गया था। यह वीडियो करीब तीन सप्ताह पुरानी बताई जा रही है।

अभिनेत्री मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कृति सेनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के चाहने वालों को खुश करने वाली एक खबर सामने आयी है। खबरों के मुताबिक, कृति जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी का रोल निभाती नजर आएंगी। बताया जा

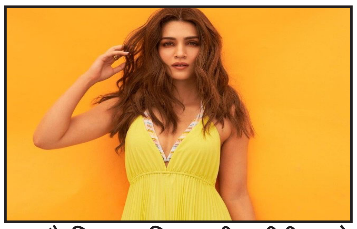

रहा है कि यह फिल्म टी–सीरीज के बैनर तले बनाई जाएगी। काफी लंबे वक्त से टी–सीरीज मीना कुमारी की बायोपिक बनाने पर विचार कर रही थी। ईटाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक टी–सीरीज ने मीना कुमारी की बायोपिक के लिए अभिनेत्री कृति सेनन को चुना हैं। पर अभी तक अभिनेत्री ने इस फिल्म में लिए हाँ नहीं भरी है। आपको बता दे कि टी–सीरीज ने दिवंगत अभिनेत्री मीना कुमारी की बायोपिक का अ फिशियल ऐलान नहीं किया है पर बताया जा रहा है कि जल्द ही इसका अ फिशियल ऐलान हो सकता है। अगर सब ठीक रहा तो फिल्म की शूटिंग भी जल्द ही शुरू हो सकती है। अभिनेत्री कृति सेनन की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में कदम रखा था।

निगोहा पुलिस ने जुआरियों को किया गिरफ्तार

लखनऊ। अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत निगोहा पुलिस ने शनिवार को जुआ खेलते चार लोगों को रंगे हाथ दबोच लिया । पुलिस ने मालफड़ से २७२० रुपए व जामा तलाशी में १८,१०० रूपए कुल २० ,८२० रुपए तथा ५२ ताश के पत्ते बरामद करते हुए केस दर्ज किया है एसपी (ग्रामीण) ह्रदेश कुमार के निर्देश पर इन दिनों जिले की ग्रामीण पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चला रही है शुक्रवार दिन शाम मुखबिर ने निगोहा पुलिस को निगोहा के खेरवा गांव में एक बबूल के पेड़ के नीचे जुआ खेलने की सूचना दी । सूचना पर सक्रिय थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप की गठित टीम मौके पर पहुंची पुलिस फोर्स को देख जुंआरी भागने लगे पुलिस फोर्स ने भाग रहे जुआरियों को दौड़ा कर दबोच लिया पुलिस ने फिर से २७२० रुपए व जामा तलाशी में चारों के पास से १८,१०० रूपए एवं ताश के पत्ते बरामद किया पूछताछ में तीन की पहचान नगराम थाना क्षेत्र के निवासी डिघारी पंकज मिश्रा व राजेंद्र पाल व राम नरेश सहित निगोहा थाना क्षेत्र रामपुर गढ़ी निवासी संगम सिंह के रूप में हुई पुलिस ने बरामद नगदी व ताश का पत्ता जप्त करते हुए सभी के खिलाफ जुआं अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप स ने जुआ खेलने तथा उन पर कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; ckt ibZ
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
cj;jk phQ
eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरब,ग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar @yahoo.in
adbhut_samachar @rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक